TO BE PUBLISHED IN PART – II SECTION 3(ii) OF THE GAZETTE OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF REVENUE
CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

.....

NEW DELHI, THE 18/8/99

NOTIFICATION
(INCOME TAX)

S.O. No. In exercise of the powers conferred by the sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income tax Act, 1961(43 of 1961) , the Central Government hereby notifies "Shri Padmanbhaswamy Temple Trust, Thiruvananthapuram, Kerala" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1994-95 subject to the following conditions, namely:

(i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

(SAMAR BHADRA)
UNDER SECRETARY TO THE GOVERNMENT OF INDIA

NOTIFICATION NO. 11037 (F.NO. 197/82/97-ITA.I)

To

The Manager,

भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3(ii) में प्रकाशनार्थ

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
...

नई दिल्ली, दिनांक 18/8/99

अधिसूचना
(आय-कर)

का०आ०संख्या : आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23ग) के उपखण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा "श्री पद्मनाभस्वामी टेंपल ट्रस्ट, तिरुवन्तपुरम, केरल" को कर निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उप-खण्ड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

(i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर, जवाहिरात, फर्नीचर आदि ... के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो, जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

अधिसूचना सं० 11037

समर भट्ट
(समर भट्ट)
अवर सचिव, भारत सरकार

(फा० सं० 197/82/97 - आ.क.नि.I)

सेवा में,
प्रबन्धक,
भारत सरकार मुद्रणालय,
रिंग रोड, मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र,
(राजौरी गार्डन के समीप), नई दिल्ली.